वैन बेंगालेन

वैन बेंगालेन उन हजारों महिलाओं, पुरुषों और बच्चों को संदर्भित करता है जिन्हें बंगाल की खाड़ी (पूर्वोत्तर भारत) के आसपास गुलाम बनाया गया था। जनुआरिज (जनवरी), आमोन, मारिज, सुज़ाना, ऑगस्टस और बैरन वैन बेंगलन इस कहानी में मुख्य भूमिका निभाते हैं। साथ में, वे 1620 और 1795 के बीच डच ईस्ट इंडिया कंपनी (VOC) और उसके कर्मचारियों द्वारा तस्करी किए गए हजारों लोगों के अनुभव के बारे में कुछ बताते हैं।

जबकि वे एक दूसरे से संबंधित नहीं थे, वे सभी विविध परिस्थितियों में गुलाम थे। उनसे उनके सही नाम छीन लिए गए और नए नाम दिए गए, जिसमें उनका उपनाम वान बेंगालेन (बंगाल से) जोड़ा गया, उस स्थान का जिक्र करते हुए जहां उनका कारोबार किया गया था। उन्हें गंगा के आसपास के गांवों से जबरन उठाया गया और तेज नावों से उस क्षेत्र के केंद्रीय दास बाजारों में ले जाया गया, जहां उन्हें VOC के कर्मचारियों द्वारा खरीदा गया था। जहाजों ने उन्हें उन सभी क्षेत्रों में बिखेर दिया जहां VOC सक्रिय था, बटाविया (जकार्ता) के से, बांदा द्वीप समूह (मोलुकास), केप टाउन और यहां तक कि नीदरलैंड तक।

1778 में बंगाल के हुगली में एक सार्वजनिक नीलामी में मार्ट वैन बेंगालेन को खरीदा गया था।
हुगली में डच ईस्ट इंडिया कंपनी का व्यापारिक पोस्ट, हेंड्रिक वैन शुयलेनबर्ग, 1665।

1750 में अब्राहम वैन बेंगलन ने केप टाउन के बाहर एक खेत में काम किया।
केप टाउन और एन्विरोंस का पैनोरमा, रॉबर्ट जैकब गॉर्डनको समर्पित, 1778।

1788 में ऑगस्टस वैन बेंगलन केप टाउन के बाहर एक नौकर था।
ऑगस्टस वैन बेंगलन हेंड्रिक क्लोएट के पाइप को पकडे हुए, अनाम, c. 1788.

1729 में, आमोन वैन बेंगलन ने जावा के बटाविया के बाहर हताशा में फांसी लगा ली।
बटाविया का महल,
एंड्रीज़ बेकमैन, c. 1661.

1780 के आसपास गुलाम चांदी के कारीगर जानुआरिज वैन बेंगलन ने जावा के बटाविया में चांदी का यह डिब्बा बनाया।
पान दान, 1769-1780।

1697 में मारिज वैन बेंगालेन ने बांदा द्वीप (मोलुकास) में से एक पर जायफल के बागान में काम किया।
दक्षिणी मोलुकास में बांदा नीरा का दृश्य
जोहान्स विंकबून्स को समर्पित, c. 1662-1663।

1690 में बैरन वैन बेंगलन अपनी पत्नी और बेटे के साथ नीदरलैंड में एक नौकर के रूप में काम करता था
जूलियस शेल्टो वैन एट्ज़ेमा, सारा वैन डेन ब्रोक, मेहमानों और नौकरों के साथ भोजन, जेरार्ड विगमाना, 1697।